उदासीनता वक्र विश्लेषण
[Indifference Curve Analysis]

मार्शल के उपयोगिता विश्लेषण में निहित दोषपूर्ण एवं अव्यवहारिक मान्यताओं के कारण एक ऐसी वैकल्पिक विचारधारा की आवश्यकता अनुभव की गई जो व्यवहारिकता के निकट हो। हिम्स एवं ऐलन (Hicks and Allen) नामक अर्थशास्त्रियों ने उदासीनता वक्र विश्लेषण दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। यह विचारधारा उपयोगिता विश्लेषण की परिमाणात्मक उपयोगिता की मान्यता के स्थान पर क्रमसूचक दृष्टिकोण को प्रस्तुत करती है। प्रो० हिक्स ने 1939 में प्रकाशित अपनी पुस्तक Value and Capital में उदासीनता वक्र विश्लेषण को पूर्णरूपेण विकसित किया।

वस्तुतः प्रो० हिक्स एवं ऐलन से पूर्व कुछ अर्थशास्त्री उदासीनता वक्र विश्लेषण की मूल विचारधारा का प्रतिपादन कर चुके थे। सर्वप्रथम Edgeworth ने 1881 में स्पर्धात्मक एवं पूरक वस्तुओं की व्याख्या के लिए उदासीनता वक्र का विचार प्रस्तुत किया था। उदासीनता वक्र विश्लेषण की वैज्ञानिक व्याख्या करने एवं विश्लेषण को क्रमबद्ध आधार देने का श्रेय प्रो० हिम्स एवं ऐलन नामक अर्थशास्त्रियों को ही जाता है।

Scanned by CamScanner

उदासीनता वक्र दो वस्तुओं के विभिन्न संयोगों से सम्बन्धित उपभोक्ता व्यवहार की व्याख्या करता है। उपभोक्ता का व्यवहार उसकी उदासीनता अनुसूची द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। उपभोक्ता को समान संतुष्टि देने वाले दो वस्तुओं के विभिन्न संयोग उदासीनता अनुसूची के अंग होते हैं। इसी उदासीनता अनुसूची को ग्राफ में प्रदर्शित करके उदासीनता वक्र प्राप्त किया जाता है।

D. S. Watson — "उदासीनता अनुसूची दो वस्तुओं के संयोग की अनुसूची है जिनको इस प्रकार व्यवस्थित किया जाता है कि उपभोक्ता उन संयोगों के प्रति उदासीन होता है और किसी एक को अन्य की तुलना में वरीयता नहीं देता है।"

सामान्य भाषा में अगर इसको परिभाषित करें तो इस प्रकार से समझा जा सकता है - "समान संतोष को मिलाने वाली रेखा उदासीनता वक्र कहलाती है।"

To be continued

Thank you.

Scanned by CamScanner